FIRMS MANUFACTURING AND IMPORTING DYE-STUFFS

129. SHRI M. GOVINDA REDDY: Will the Minister for HEAVY INDUSTRIES be pleased to state:

(a) the present number of registered dye-stuff manufacturing firms in the country;

(b) the number of applications for licences for the manufacture of dye-stuffs now pending disposal; and

(c) the number of firms which are importing dye-stuffs?

THE MINISTER FOR COMMERCE AND CONSUMER INDUSTRIES AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI MORARJI DESAI): (a) Three.

(b) Eight.

(c) Precise information is not available, as some categories of dye-stuffs are on Open General Licence.

रूससे ऋण

१३०. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **उत्पादन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में भारत सरकार ने सोवियत समाजवादी गण-राज्य-संघ द्वारा प्रस्तावित लगभग ६० करोड़ रु. का ऋण लेना स्वीकार कर लिया है ; और

(ख) यदि स्वीकार कर लिया है, तो इस ऋण की वास्तविक रकम कितनी है और उसे किन शर्तों पर स्वीकार किया गया है ?

†[LOAN FROM U.S.S.R.

130. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for PRODUCTION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently the Government of India has agreed to accept a loan of about rupees 60 crores offered by the Government of the Union of Soviet Socialist Republics; and

(b) if so, what is the actual amount of the loan and what are the terms on which the same has been accepted ?]

उत्पादन मंत्री (श्री के सी रेड्डी) : (क) जी, हां।

(ख) ब्यौरा देने वाला विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

रूस द्वारा प्रस्तावित लग भग ६० करोड़ रू० का ऋण

ऋण की रकम–५० करोड़ रूबल (लग भग ५५-६० करोड़ रुपये)

ऋणकी शर्तें – यू. एस. एस. आर. की सरकार ने १९५९ से लेकर १९६१ तक ३ वर्षों की अवधि में कुल ५० करोड़ रूबल (लगभग ५५–६० करोड़ रुपये) तक के मूल्य का औद्योगिक साज-सामान देने का प्रस्ताव रखा है। यह ऋण दीर्घ अवधि में चुकाया जायगा।

ऋण की प्रस्तावित शर्तें (जिनमें ऋण को चुकाने की अवधि, ब्याज की दर आदि शामिल है) वैसी ही है, जैसी कि भिलाई स्टील प्लांट की हैं। इन शर्तों के अनुसार जिन-जिन वर्षों में ऋण लिया जाएगा, उनके बाद आने वाले प्रत्येक वर्ष की १५ मार्च को या इससे पहले-पहले ऋण बराबर-बराबर १२ वार्षिक किस्तो में चुकाया जाएगा। ऋण लेने की तिथि से $2\frac{1}{2}$ प्रतिशत सालाना की दर से ब्याज पड़ेगा और यह भी उपरलिखित भांति ही जिस वर्ष ऋण लिया जाएगा उसके अगले वर्ष की १५ मार्च या उससे पहले चुकाना होगा।

लिया हुआ ऋण किन-किन योजनाओं में लगाया जाएगा, इसकी सरकार जांच कर रही हैं।

†[THE MINISTER FOR PRODUCTION (SHRI K. C. REDDY): (a) Yes.

(b) A statement showing the details is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Officer of a loan of about Rupees 60 crores by Russia to India.

†English translation